

प्रेषक,

सुशांत पटनायक
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन.

सेवा में,

प्रमुख बन संरक्षक,
उत्तराखण्ड, देहरादून.

बन एवं पर्यावरण अनुभाग-2

देहरादून

दिनांक 28 मई, 2012

विषय:- बन विभाग के अनुदान सं0-27 के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2012-13 के राज्य सेक्टर के आयोजनागत पक्ष की "वनों की आग्नि से सुरक्षा" योजना में वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक वित्त विभाग के शासनादेश सं0-193/XXVII(1)/2012 दिनांक 30 मार्च, 2012 तथा अपर प्रमुख बन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन के पत्रांक नि-1685/3-5(राठोड़) दिनांक 30 अप्रैल, 2012 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि बन विभाग के आयोजनागत पक्ष की "वनों की आग्नि से सुरक्षा" योजना हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 में दिनांक 01 अप्रैल, 2012 से 31 जुलाई, 2012 तक के लिये 04 माह के लेखानुदान के सापेक्ष ₹ 31,61,000/- (रेहवाक्षरीस लाख इक्सठ रुजार मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन प्रदान करते हैं :-

1. उक्त स्वीकृत व्यय चालू योजनाओं पर ही किया जाये और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए न किया जाय तथा विभिन्न मदों में व्यय से पूर्व वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश सं0-193/XXVII(1)/2012, दिनांक 30 मार्च, 2012 द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार सक्षम स्तर की अनुमति/यथा स्थिति शासन का अनुमोदन प्राप्त कर ही किया जाय। शासन द्वारा वांछित सूचनायें एवं विवरण/मासिक प्रगति विवरण निर्धारित प्रारूप व समयबद्ध आधार पर शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय। किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम), आद्य-व्यायक सम्बन्धी नियम (बजट मैनेजमेंट), उत्तराखण्ड अधिग्राहित (प्रैक्योरमेंट) नियमावली, 2008, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
2. बजट प्राविधान किसी भी लेखा शीर्षक/मद के अन्तर्गत व्यय की अधिकतम सीमा को ही प्राधिकृत करता है। अतः बजट प्राविधान से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में कोई व्यय मार/दार्यित्व सृजित किया जाय।
3. यह संज्ञान में आया है कि धनराशि विभागाध्यक्षों के निर्वतन पर रखने के उपरान्त भी विभागाध्यक्षों द्वारा वह धनराशि आहरण वितरण अधिकारियों के निर्वतन पर नहीं रखी जाती है, जिससे क्षेत्रीय स्तर पर व्यय हेतु धनराशि उपलब्ध नहीं होती है। अतः आपके निर्वतन पर रखी जा रही धनराशि का आहरण वितरण अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाय, जिससे की फौल्ड स्तर पर बजट उपलब्ध न होने की स्थिति उत्पन्न न हो।
4. आहरण वितरण अधिकारियों तथा कोषाधिकारियों को अवमुक्त धनराशि का विवरण बी0एम0-17 पर प्रत्यक्ष माह प्रशासनिक विभाग एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाना आवश्यक एवं अनिवार्य होगा।
5. बी0एम0-13 पर नियमित रूप से प्रशासकीय विभाग एवं वित्त विभाग को विलम्बतम 05 तारिख तक पूर्व माह की सूचना उपलब्ध कराई जाय।

क्रमसंख्या:...2

6. अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्मानित व्यय को फेजिंग (त्रैमास के आधार पर) प्रशासनिक विभाग एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाना आवश्यक एवं अनिवार्य होगा, जिससे की राज्य स्तर पर कैश-फ्लो निर्धारित किये जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो।
7. यह भी सुनिश्चित किया जाये कि मजदूरी तथा व्यावसायिक सेवाओं के लिये मुगतान मदों के अन्तर्गत आउटसोर्सिंग से कार्मिकों की संख्या संख्यित ईकाई में समकक्ष स्तर के स्वीकृत परन्तु रिक्त पदों की अधिकतम सीमा अन्तर्गत अथवा वित्त विभाग की पूर्ण सहमति से स्वीकृत सीमा, इनमें से जो भी कम हो, के अन्तर्गत ही रहेगी।
8. मानक मदों के आहरण प्रणाली के सम्बन्ध में शासनादेश सं0-व-06/X-2-2010-12(11)/2009 दिनांक 31 मार्च, 2010 द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशानुसार कार्यवाही की जायेगी।
9. व्यय करने के पूर्व जिन मामलों में बजट मैनेजर, वित्तीय हस्तापुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य समकक्ष प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, उनमें व्यय करने के पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली हाय।
10. योजनाओं की विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों एवं आदेशों के अनुसार ही किया जाये तथा जहां आवश्यकता हो सकम अधिकारी/शासन की पूर्ण सहमति/स्वीकृति ली जाय.
11. धनराशि का आहरण/व्यय अथवा आवश्यकता ही किया जायेगा।
12. स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को वर्षान्त तक अवश्य उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।
13. निर्गत की जा रही वित्तीय स्वीकृति का आवंटन पत्र कम्प्यूटर के माध्यम से जनरेट किया गया है एवं इसका Allotment Id S1205271198 है। आप भी अपने स्तर से अधिनस्थ आहरण वितरण अधिकारियों को कम्प्यूटर के माध्यम से online बजट आवंटन करना सुनिश्चित करेंगे।

2- उक्त सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 के स्वीकृत लेखा अनुदान के सापेक्ष अनुदान संख्या-27 के लेखा शीर्षक 2406-वानिकी तथा वन्य जीवन 01-वानिकी 800-अन्य व्यय 03-वनों की अग्नि से सुरक्षा हेतु संलग्न तालिका में अंकित विवरणानुसार संगत मदों के नामें डाला जाएगा।

3- ये आदेश वित्त विभाग (अनुभाग-1) के शासनादेश सं0-193/XXVII(1)/2012 दिनांक 30 मार्च, 2012 द्वारा वित्तीय वर्ष 2012-13 में वित्तीय स्वीकृतियां निर्गत किये जाने सम्बन्धी दिशा-निर्देश के कम में निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपायी।

भवदीय,

(सुशांत पटनायक)

अपर सचिव

संख्या-११२(१)/X-२-२०१२, तददिनांकित।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार(आडिट), उत्तराखण्ड, ऐभव पैलस, सी-१/१०५, इन्दिरानगर, देहरादून.
2. महालेखाकार(ए एण्ड ही), उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, माजरा, देहरादून.
3. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड, देहरादून.
4. मुख्य वन संरक्षक, अनुश्रवण, मूल्यांकन एवं लेखा परीक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून.
5. मुख्य वन संरक्षक, सर्तकता एवं कानून प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड, देहरादून.
6. आयुक्त गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल, उत्तराखण्ड.
7. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड.
8. वित्त अनुभाग-४, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून.
9. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवार्थी, देहरादून.
10. कजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय, देहरादून.
11. सम्बन्धित कोषाधिकारी/मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड.
12. प्रभारी, एन.आई.सी., उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून.
13. मार्ड फाईल.

आशा हो,

(सुशांत पटनायक)

अपर सचिव

रजिस्ट्रेशन वित्तीय वर्ष - 20122013

Secretary, Forest (S016)

आवेदन पत्र संख्या - S1205271198

अनुदान संख्या - 027

अनोटरीट आई ई - S1205271198

आवेदन पत्र दिनांक - 26-May-2012

लेखा शीर्षक - 2406 - वानिकी तथा अन्य जीवन
800 - अन्य व्यव
00 - बनों की अग्नि से सुरक्षा(राज्य

01 - वानिकी

03 - बनों की अग्नि से सुरक्षा(राज्य

HOD Name - Principal Chief Conservator of Forest (4260)

Plan Voted

मानक मद सम नाम	पूर्व में जारी	बहस्तरात में जारी	बोल
13 - टेलीफोन पर व्यव	0	167000	167000
15 - गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट	0	333000	333000
16 - व्यावसायिक तथा विशेष सेवा	0	50000	50000
26 - मरीने और बचा /उपकरण वैदि	0	1100000	1100000
29 - अनुरक्षण	0	1167000	1167000
42 - अन्य व्यव	0	183000	183000
44 - इतिहास व्यव	0	67000	67000
46 - कम्प्यूटर हाईवेपट/साप्टवेप	0	67000	67000
47 - कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्त्वाभ्यन्ध	0	27000	27000
	0	3161000	3161000